



Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 47-2021] CHANDIGARH, TUESDAY, NOVEMBER 23, 2021 (AGRAHAYANA 2, 1943 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

अधिसूचना

दिनांक 15 नवम्बर, 2021

संख्या 12/232-2020-पुरा/4091-96.— हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग, अधिसूचना संख्या 12/232-2020-पुरा/965-70, दिनांक 6 अप्रैल, 2021, के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित स्मारकों के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2,3,4,5 तथा 6 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित स्मारक क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:-

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव / शहर का नाम	तहसील तथा जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किये जाने	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
रानी की छतरी एवं तालाब	रानी की छतरी एवं तालाब	वल्लभगढ़	फरीदाबाद	12/13 तथा 45/2	क-म 1-3 3-9 4-12	अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (वाशी देह)	रानी की छतरी, राजा बलराम द्वारा अपनी रानी के लिए बनाई गई एक छोटा लेकिन खूबसूरत महल है। प्राचीन समय के दिनों में यह महल वास्तुशिल्प की उत्कृष्टता का प्रतीक था, जिसमें एक स्नान कुण्ड, फव्वारे और पानी के साथ राजसी महिलाओं का वहां पर आना-जाना लगा रहता था। नहाने की टंकी रानी की छतरी के बगल में स्थित है।

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव / शहर का नाम	तहसील तथा जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किये जाने	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							<p>जिसके चारों तरफ सीढ़ियां हैं। इसे बल्लभगढ़ शाही परिवार के अनिरुद्ध सिंह की विधवा ने संरक्षण दिया था। टैंक का निर्माण इंट की दीवारों के साथ अष्टकोणीय बुर्ज और धनुषाकार आलों के साथ किया गया है, जिसमें पानी नजदीक की आगरा नहर से आता था। किला महल और रानी की छतरी दोनों आन्तरिक मार्ग से जुड़े हुए थे।</p> <p>रानी की छतरी एक चौकोर योजना के साथ एक बारहदरी हॉल संरचना और ऊंचा मैदान है। स्थापत्य विवरण में इस्लामिक मल्टी कॉस्ड मेहराब, नुकीले मेहराब, राजपूत शैली झरोखों को चुड़ियों और केन्द्रीय छतरी के साथ छत के स्तर पर प्याज के आकार के गुम्बद के साथ शामिल किया गया है। संरचना इंटों और चुने से निर्मित है, जिसमें हल्के बादामी रंग का बलुआ पत्थर है। आन्तरिक दीवारों को सफेद अरिश प्लॉस्टर में कवर किया गया है तथा छत चित्रित है। बिल्डिंग कॉर्नर को अष्टकोणीय बुर्ज स्थल से चिह्नित किया गया है। छत के स्तर पर रिब्ड गुम्बदार छतरियों की छाया है। सजावटी पत्थर के कोष्ठक पर एक बलुआ पत्थर का चबूतरा रैलिंग स्तर से नीचे की तरफ आता है। तालाब उत्तर भारत के क्षेत्र में प्रचलित जलाशय निकाय वास्तुकला की एक शैली है जो अष्टकोणीय बुर्ज और धनुषाकार आलों तथा नक्काशी वाली लाखोरी इंटों की दीवारों से बना हुआ है।</p>

अरुण कुमार गुप्ता,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग।

HARYANA GOVERNMENT
ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 15th November, 2021

No. 12/232-2020-Pura/4091-96.— In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Archaeology and Museums Department, Notification number 12/232-2020-Pura/965-70, dated the 6th April, 2021, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below to be a protected monument and archaeological site and remains specified in columns 2, 3, 4, 5, and 6 of the said Schedule to be protected area :-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/city	Name of tehsil and district.	Revenue Khasra/Kila number under protection.	Area to be protected	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Rani Ki Chhatri and Tank	Rani Ki Chhatri and Tank	Ballabgarh	Faridabad	12/13 And 45/2	K - M 1 - 3 3 - 9 4 - 12	All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, (Resident).	<p>Rani ki Chhatri, a small but beautiful palace built by Raja Balram for his queen. In the day of yore, the palace was a symbol of architectural excellence, interspersed with a bathing tank, fountains and water courses, was frequented by the royal ladies. The bathing tank is located next to the Rani Ki Chhatri with stairs all around. It was patronized by widow of Anrudh Singh of Ballabgarh Royal Family. The Tank is constructed with brick walls with octagonal turrets and arched niches. It was filled with water that flowed into it from the nearby Agra Canal. Both the fort-palace and Rani Ki Chhatri were interconnected with an internal passage.</p> <p>Rani Ki Chhatri is a pillared hall baradari structure with a square plan and elevated plinth. The Architectural details include Islamic Multi cusped arches, pointed arches, Rajput style Jharokhas capped with bangldars and central Chhatri at terrace level with onion dome. The structure is built in bricks and lime, Clad with buff coloured sandstone. Interior walls are covered in white araish plaster and the ceiling is painted. Building corners are marked with a octagonal turrets at ground level capped with ribbed domed chhatris at roof level. A sandstone chajja on decorative stone brackets runs all round the building below parapet level. The tank is composed of Lakhori brick walls with octagonal turrets and arched niches, a style typical of the water body architecture prevalent in the region of North India.</p>

ARUN KUMAR GUPTA,
Principal Secretary to Government Haryana,
Archaeology and Museums Department.